भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

**लोक सभा**

**अतारांकित प्रश्न सं. 2474**

जिसका उत्तर 13.03.2025 को दिया जाना है

**तमिलनाडु में राष्ट्रीय राजमार्गों का विकास**

2474. श्री टी. आर. बालू:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तमिलनाडु में राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) के श्रीपेरंबुदूर-सुंगुवारचत्रम-वालाजाबाद खंड में चल रही विकास परियोजना कब तक पूरी हो जाएंगी;

(ख) पांच वर्ष बीत जाने के बाद भी कार्य पूरा होने में अत्यधिक देरी के क्या कारण हैं; और

(ग) क्या सरकार कार्य में तेजी लाने पर विशेष ध्यान देगी क्योंकि यह राजमार्ग खंड वेल्लोर, श्रीपेरंबुदूर, कांचीपुरम जैसे कई औद्योगिक और तीर्थ शहरों को जोड़ता है?

**उत्तर**

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग) 6-लेन की पून्नामल्ली - श्रीपेरंबुदूर-वालाजापेट परियोजना पहले बीओटी (टोल) पर शुरू की गई थी और जून, 2012 में मैसर्स एस्सेल को सौंपी गई थी। तथापि, धीमी प्रगति और मौजूदा राजमार्ग के अनुरक्षण सहित रियायतग्राही की चूक के कारण जुलाई, 2016 में ठेका समाप्त कर दिया गया था। तब श्रीपेरंबुदूर-वालाजापेट खंड (समाप्त बीओटी परियोजना का भाग) को दो पैकेजों में शुरू किया गया था। करईपेट्टई - वालाजपेट खंड को पूरा करने की संशोधित तिथि अक्टूबर, 2026 है, जबकि श्रीपेरंबुदूर - करईपेट्टईखंड को दिनांक 30.04.2025 तक पूरा किया जाना है। सरकार ने तमिलनाडु राज्य सहित देश में राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए विभिन्न पहलें की हैं जिसमें भूमि अधिग्रहण को सुव्यवस्थित करना और इसमें तेजी लाना, वन और पर्यावरण स्वीकृतियों के लिए परिवेश पोर्टल का पुनरूद्धार, रेलवे से सड़क उपरि पुल/सड़क अधो पुल (आरओबी/आरयूबी) के लिए सामान्य व्यवस्था ड्राइंग (जीएडी) का ऑनलाइन अनुमोदन, राज्य सरकार सहित सभी हितधारकों के साथ विभिन्न स्तरों पर समीक्षा बैठकें करना शामिल हैं।

*****